चीनी निर्यात पर प्रतिबंध एक वर्ष बढ़ा

घरेलू बाजार में उपलब्धता बढ़ाने के लिए 31 अक्टूबर 2023 तक बढ़ाई रोक

नई दिल्ली, ब्यूरो: केंद्र सरकार ने चीनी निर्यात पर जारी प्रतिबंध और एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया है। अब 31 अक्टूबर 2023 तक चीनी का निर्यात नहीं किया जा सकेगा। घरेलू बाजार में चीनी की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार ने यह फैसला किया है। चीनी के बढ़ते मूल्य पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र ने इसी वर्ष मई में चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया था, जो 31 अक्टूबर तक लागू था।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि कच्ची, प्रसंस्करित और सफेद चीनी के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को एक वर्ष के लिए और बढ़ाया गया है। हालांकि, अधिसूचना में कहा गया है कि यह प्रतिबंध अमेरिका और यूरोपियन यूनियन को सीएक्सएल और टीआरक्यू (टैरिफ रेट कोटा) के तहत किए जाने वाले निर्यात पर लागू नहीं होगा। सीएक्सएल और टीआरक्यू के तहत एक निश्चित मात्रा में चीनी का निर्यात किया जाता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक और चालू वर्ष में दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक देश है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के अनुसार, विपणन वर्ष 2022-23 में देश में 3.65 करोड़ टन चीनी उत्पादन का अनुमान है। पिछले विपणन वर्ष के मुकाबले इसमें दो प्रतिशत की वृद्धि रहेगी। विपणन वर्ष 2021-22 में देश में 3.58 करोड़ टन चीनी का उत्पादन हुआ था। अक्टूबर से सितंबर को चीनी विपणन वर्ष कहा जाता है। इस्मा का अनुमान है कि एथनाल उत्पादन के लिए ज्यादा आवंटन के बावजूद चालू विपणन वर्ष में चीनी उत्पादन में वृद्धि रहेगी। चालू सीजन में 90 लाख टन चीनी निर्यात का अनुमान है।

31 अक्टूबर को समाप्त हो रहा था चीनी निर्यात पर मौजूदा प्रतिबंध

3.65 करोड़ टन चीनी उत्पादन का अनुमान विपणन वर्ष 2022-23 में

90 लाख टन चीनी निर्यात होने का अनुमान है चालू सीजन में

गेहूं के निर्यात पर भी है प्रतिबंध

बढ़ते मूल्य पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार गेहूं, आटा और कुछ निश्चित प्रकार के चावल के निर्यात पर भी प्रतिबंध लगाया है। हालांकि, उपलब्धता बढ़ाने के लिए सोयाबीन तेल और सूरजमुखी तेल के शुल्क मुक्त आयात की भी अनुमति दी गई है।

भारतीय चीनी की मांग कम रहने का संकेत

इस्मा का कहना है कि इस वर्ष वैश्विक बाजार में भारतीय चीनी की मांग कम रहने का संकेत है। इसका कारण यह है कि मई 2023 तक ब्राजील की चीनी वैश्विक बाजार में आ जाएगी। अधिकांश चीनी मिलों ने चालू सीजन में निर्यात के लिए पहले ही समझौते कर लिए है। ऐसे में सरकार को चीनी निर्यात नीति की शीघ्र घोषणा करनी चाहिए।

दक्षिणी राज्यों में गन्ने की पेराई शुरू

दक्षिणी राज्यों में गन्ने की पेराई शुरू हो चुकी है और अन्य क्षेत्रों में भी जल्द पेराई शुरू होने की उम्मीद है। इसके बाद ही चीनी उत्पादन की सही तस्वीर सामने आ पाएगी। इसके आधार पर इस्मा जनवरी 2023 में गन्ना और चीनी उत्पादन का संशोधित अनुमान जारी करेगा। सरकार भी चीनी उत्पादन, खपत, निर्यात और मूल्य की लगातार निगरानी कर रही है।